संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार ---पृष्ठ ......दिनांक 2021

प्रमुख सचिव नगरीय विकास ने जारी किए निर्देश

होम आइसोलेशन के मरीजों को मेडिसिन किट वितरण के लिए प्रभारी अधिकारी होंगे नियुक्त

प्रतारण न्यूज़ * रतलाम

नगरीय क्षेत्रों में होम आइसोलेशन में स्थित कोविड मरीजों को उनके घर पर ही कोविड-19 के स्व-प्रबंधन के लिए आवश्यक मेडिसिन किट और स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों को पहुंचाने के लिए प्रत्येक जोन, वार्ड के अनुसार प्रभारी अधिकारी नियुक्त किये जाएं। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नीतेश व्यास ने समस्त आयुक्त नगर पालिका निगम और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को उक्त निर्देश जारी किए हैं।

प्रमुख सचिव व्यास ने बताया कि प्रत्येक जिले में होम आइसोलेशन में स्थिति मरीजों के मॉनिटरिंग के लिए कन्ट्रोल रूम या कंट्रोल कमांड सेन्टर संचालित है। इस व्यवस्था के संचालन के लिए यथा संभव इसे ही केन्द्र बिन्दु बनाया जाए। छोटे निकायों में वार्ड/जोन के अनुसार प्रभारी अधिकारी या टीम की आवश्यकता न हो तो स्थानीय परिस्थिति अनुसार कार्यवाही की जाए।

मेडिसिन किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रतियां कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी, किन्तु कई जिलों में ऐसी स्थिति हो सकती है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा किट के स्थान पर मेडिसिन उपलब्ध कराई जाए, जिसको किट में परिवर्तित करना होगा। नगरीय निकाय इस हेतु आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। ऐसी किट का निर्माण कलेक्टर के माध्यम से नियुक्त स्वास्थ्य विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में किया जाए। स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति अगर स्वास्थ्य विभाग द्वारा मुद्रित कर उपलब्ध नहीं कराई जाती है, तो निकाय आवश्यकतानुसार मुद्रण सुनिश्चित किया जाए।

श्री व्यास ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि वर्तमान में होम आइसोलेशन में स्थित ऐसे कोविड मरीज जिनको अभी तक मेडिसिन किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति उपलब्ध नहीं हुई है, उन्हें तत्काल प्रभाव से यह उपलब्ध कराई जाए। इसके पश्चात् प्रतिदिन होम आइसोलेशन में रहने वाले नए कोविड मरीजों को मेडिकल किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति उपलब्ध हो यह सुनिश्चित किया जाए। प्रतिदिन होम आइसोलेशन मरीजों की सूची जिले के महामारीविद् (Epidemiologist) या कलेक्टर द्वारा नियुक्त अधिकारी से सुबह 7 बजे प्राप्त की जाए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रतिदिन होम आइसोलेशन में नए मरीजों को उसी दिन उपरोक्तानुसार सामग्री उपलब्ध हो।

प्रत्येक निकाय में इस सम्पूर्ण व्यवस्था के प्रभारी एवं वार्ड एवं जोन वाइज टीम के प्रभारियों के फोन नम्बर का प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अगर होम आइसोलेशन में स्थित किसी मरीज को मेडिकल किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति प्राप्त नहीं होती है, तो वे तुरंत सम्पर्क कर सकें। जिला मुख्यालय में होम आइसोलेशन में स्थित मरीजों के मॉनिटरिंग हेतु निर्धारित कन्ट्रोल रूम, कन्ट्रोल एवं कमांड सेंटर का दूरभाष क्रमांक का पर्याप्त प्रचार-प्रसार हो, जिस पर भी कोविड मरीज मेडिकल किट प्राप्ति हेतु सूचना दे सकते हैं। शेष निकाय में भी स्थापित किए जाने वाले कन्ट्रोल रूम में दूरभाष नम्बर का प्रचार-प्रसार करें।

कन्ट्रोल रूम/कन्ट्रोल कमांड सेन्टर में पर्याप्त संख्या में मेडिसिन एवं मेडिसिन किट की उपलब्धता सुनिश्चित रखी जाए। उपलब्धता में कमी होने पर तुरंत कलेक्टर के संज्ञान में इस बात को लाया जाए।

नगर निगम ने दल गठित किया

रतलाम. नगर निगम अब कोरोना के होम आईसुलेट मरीजों को घर पर दवाई उपलब्ध कराएगा। निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया दल प्रभारी सिटी इंजीनियर जीके जायसवाल को बनाया गया है। दल शहर के सभी 49 वॉर्ड में घर पर रहकर इलाज कराने वाले मरीजों की सहायता करेगा।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार ...प्रसारण...---पृष्ठ 12.....दिनांक...20-5....2021

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव हेतु नगर में प्रतिदिन किया जा रहा है सेनेटाईजेशन का कार्य

प्रसारण न्यूज • रतलाम

20-5-2021

रतलाम नगर के नागरिकों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने हेतु जिला कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम गोपालचन्द्र डाड के निर्देशानुसार निगम के विभिन्न वाहनों के माध्यम से सोडियम हाईपोक्लोराईड से सेनेटाईज किया जा रहा है साथ ही माईक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्रों में भी हैण्ड मशीन से सेनेटाईजेशन किया जा रहा है।

नगर निगम द्वारा प्रतिदिन फायर लॉरी व ट्रेक्टर-ट्रॉली से नगर के विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों, गलियों, भवन आदि को 1 प्रतिशत सोडियम हाईपोक्लोराईड मिलाकर 1 लाख लीटर से सेनेटाईज किया जा रहा है।

फायर लॉरी से अम्बिका नगर, न्यू कलेक्टोरेट परिसर, विनोबा नगर मुक्तिधाम, थावरिया बाजार, रामदेवजी की घाटी, चिन्तामण गणेश रोड, पैलेस रोड, महलवाड़ा चौराहा, पी एण्ड टी कॉलोनी, चार बत्ती चौराहा, धभाईजी का वास, हाकमवाड़ा, काजीपुरा, शैरानीपुरा, चौमुखी पुल, मोती बावजी का मंदिर, भरावा की कुई, कलाईगर रोड, माणक चौक, लक्ष्मी मंदिर, डालूमोदी बाजार, जेल रोड, जिला चिकित्सालय, कॉलेज रोड, नगर निगम तिराहा सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सेनेटाईजेशन किया गया। इसके अलावा 14 व्यक्तियों की टीम द्वारा हैण्ड मशीन के माध्यम से मेडिकल कॉलेज, माईक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्र, कलेक्टोरेट, ई-दक्ष कार्यालय, नगर निगम कार्यालय सहित शासकीय कार्यालयों आदि में सेनेटाईजेशन का कार्य किया गया।

नगर के सेनेटाईज किए जाने के साथ ही स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई का कार्य किया जा रहा है व सफाई उपरान्त सफाई स्थल व नालियों में कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने की कमिश्नर्स और प्रभारी अधिकारियों से कोरोना संक्रमण पर चर्चा

[illegible]

प्रदेश के 37 जिलों में लगेंगे ऑक्सीजन प्लांट : शिवराज

दवाई और इंजेक्शन के वितरण की व्यवस्था न्यायपूर्ण हो

भोपाल, (प्रसं)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि प्रदेश में ऑक्सीजन की आपूर्ति इस माह के आखरी तक 700 मीट्रिक टन हो जाएगी। रविवार को प्रदेश को 390 मीट्रिक टन ऑक्सीजन प्राप्त हुई है। प्रदेश में ऑक्सीजन की आपूर्ति निरंतर बढ़ रही है। टैंकर्स की संख्या भी अब 46 हो गई है। प्रदेश के 37 जिलों में ऑक्सीजन प्लांट लगेंगे। ये प्लांट आगामी एक से तीन माह में स्थापित करने की तैयारी है। इससे भविष्य की दिक्कतें समाप्त होंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा पीआईयू और कार्य एजेंसी इन संयंत्रों के लिए स्थल चयन करें, तेजी से कार्य सम्पन्न हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा प्रदेश के कमिश्नर्स, प्रभारी अधिकारियों से कोरोना संक्रमण पर चर्चा एवं समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि कोरोना संक्रमण के नियंत्रण के लिए जन-प्रतिनिधियों से निरंतर परामर्श किया जाए। उनसे प्राप्त सूचनाओं पर कमिश्नर त्वरित कार्रवाई करें। प्रदेश में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए पॉजिटिविटी रेट घटाने के पूरे प्रयत्न हों। किस अस्पताल में कितने बेड हैं, इसकी जानकारी प्रचार माध्यमों के साथ ही हिंदी एप के माध्यम से भी दी जाए। समाजसेवी संगठनों को जोड़कर लोगों की मदद के लिए प्रेरित किया जाए। कोरोना संक्रमित लोग कोविड केयर सेंटर से लाभान्वित हों। होम आइसोलेशन में रहने वाले रोगियों से चिकित्सक संपर्क में रहें और जरूरी मार्गदर्शन देते रहें।

24 घंटे में जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच रिपोर्ट 24 घंटे में उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की जाए। टेस्ट रिपोर्ट आने तक जांच करवाने व्यक्ति को आइसोलेशन में रहना है, यह परामर्श दिया जाए। संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए प्रयासों में कोई कमी नहीं रहना चाहिए। ऐसे निर्धन परिवार, जो होम आइसोलेशन में हैं यदि उनके लक्षण गंभीर होते हैं तो प्राथमिकता से कोविड केयर सेंटर ले जाया जाए। इन केंद्रों में चाय, नाश्ता, भोजन उपलब्ध करवाया जाए। रोगियों की पूरी देखभाल की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि रोगियों को एक अस्पताल से दूसरे में न जाना पड़े, इसके लिए बेड की उपलब्धता प्रदर्शित करें। निर्धारित नंबरों पर नागरिकों को जानकारी मिलना चाहिए। गंभीर रोगियों को सभी जिले में प्रशासनिक अधिकारी अथवा अस्पताल द्वारा उपचार देने में पूरा सहयोग प्रदान किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसी भी स्थिति में संक्रमण की चेन तोड़ना है।

रविवार को भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीसी के माध्यम से कोविड-19 की रोकथाम एवं व्यवस्थाओं के संबंध में कोर ग्रुप के साथ समीक्षा की।

सभी राज्यों से मिल रहा सहयोग

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि उन्होंने मध्यप्रदेश में ऑक्सीजन और औषधियों के आवश्यक प्रबंध के लिए गुजरात, उत्तरप्रदेश और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों से चर्चा की है। सभी राज्यों से सहयोग मिल रहा है। मध्यप्रदेश में उड़ीसा और छत्तीसगढ़ से भी ऑक्सीजन आपूर्ति में सहयोग मिला है। संकट के दौर में सभी राज्यों में परस्पर सहयोग और समन्वय की भावना है।

संभागों को भेजे गए 17 हजार इंजेक्शन

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में संभागों को रविवार को 17 हजार इंजेक्शन भेजे जा चुके हैं। संभागों से जिलों तक इनका वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान की रविवार को हैटरो हैल्थकेयर लिमिटेड से भी इंजेक्शन आपूर्ति के संबंध में चर्चा हुई है। कंपनी को एक लाख इंजेक्शन की आपूर्ति के लिए कहा गया है। इसके पूर्व मॉयलॉन लैब ने भी इंजेक्शन की आपूर्ति की है। निरंतर अनुश्रवण से परिणाम मिल रहे हैं और मध्यप्रदेश को होने वाली ऑक्सीजन की आपूर्ति में निरंतर वृद्धि हुई है।

ऑक्सीजन एक्सप्रेस केंद्र की पहल सराहनीय

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार ने ऑक्सीजन एक्सप्रेस के माध्यम से राज्यों तक उनकी आवश्यकता के अनुसार ऑक्सीजन की आपूर्ति की पहल की है। निश्चित ही यह सराहनीय है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा गत सप्ताह ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए रेल के माध्यम से टैंकर लोड कर भेजे जाने का सुझाव दिया गया था। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आम जनता खुद कर्फ्यू व्यवस्था को लागू करे। जन-सहयोग से हम शीघ्र ही इस संक्रमण पर विजय प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि वे सोमवार को मंत्रियों से भी चर्चा कर उनके सुझावों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश देंगे।

मुख्यमंत्री के अन्य निर्देश

- होम आइसोलेशन में रहने वाले रोगियों का स्वास्थ्य जल्दी ठीक हो, इसके लिए चिकित्सक संपर्क कर मार्गदर्शन दें।
- वार्ड और मोहल्ले स्तर पर लोग स्वयं कोरोना कर्फ्यू लगाएं। आगामी 30 अप्रैल तक इस व्यवस्था को प्रभावी रखा जाए।
- बिस्तर क्षमता बढ़ाने के निरंतर प्रयास हों।
- संक्रमण की चैन तोड़ने सरकार और समाज मिलकर कार्य करते रहें।
- औषधियों और ऑक्सीजन की आपूर्ति की वितरण व्यवस्था सुचारू रखें।
- वित्तीय संसाधनों की कमी नहीं होगी, जिलों से आवश्यक राशि के प्रस्ताव समय पर मिलें।
- शासकीय सेवक निर्धारित सीमा से अधिक कार्य पर न आएं।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार नईदुनिया पृष्ठ 22 दिनांक 2.......2021

रतलाम में अपने खर्च पर चेतन्य काश्यप फाउंडेशन लगाएगा आक्सीजन प्लांट

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना महामारी में आक्सीजन की कमी पूरी करने के लिए चेतन्य काश्यप फाउंडेशन मेडिकल कालेज में अपने खर्च पर आक्सीजन कंसंट्रेटर प्लांट स्थापित करेगा। 1.02 करोड़ रुपये की लागत वाले इस प्लांट की क्षमता 57 मीटर क्यूब होगी। संभागायुक्त संदीप यादव ने फाउंडेशन को प्लांट स्थापना की अनुमति तत्काल दे दी। कलेक्टर गोपालचंद डाड ने संभागायुक्त की अनुमति वाला पत्र फाउंडेशन अध्यक्ष एवं विधायक चेतन्य काश्यप को सौंपा। काश्यप ने बताया कि पीएसए तकनीक पर आधारित ट्राइडेंट कंपनी के इस प्लांट की डिलीवरी दो से तीन सप्ताह में प्राप्त हो जाएगी। प्लांट मेडिकल कालेज की संपत्ति होगा।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार दै. भास्कर पृष्ठ 2 दिनांक 20-7 ...2021

तीन सप्ताह में आएगा प्लांट

140 आईसीयू मरीजों को मिलेगी मदद

चेतन्य काश्यप फाउंडेशन ने मेडिकल कॉलेज को दिया 1.2 करोड़ रुपए का ऑक्सीजन प्लांट

एक ही दिन में सारी औपचारिकताएं पूर्ण

भास्कर संवाददाता | रतलाम

20-7-2021

कोरोना संक्रमण के इस विकट समय में रतलाम मेडिकल कॉलेज में मरीजों के उपचार में ऑक्सीजन की कमी आड़े न आए इसके लिए चेतन्य काश्यप फाउंडेशन ने मानवता की सेवा का बड़ा कदम उठाया है। फाउंडेशन मेडिकल कॉलेज में 1.02 करोड़ रुपए से 57 मीटर क्यूब क्षमता वाला ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर प्लांट लगाने जा रहा है। इस प्लांट से कॉलेज के आईसीयू में भर्ती 140 मरीजों को लगातार ऑक्सीजन सप्लाई की जा सकेगी। इस ऑटोमैटिक प्लांट की स्थापना के लिए सारी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं। मशीनरी 2 से 3 सप्ताह में मेडिकल कॉलेज पहुंच जाएगी। इस प्लांट की खासियत यह रहेगी कि यह सीधे हवा से ऑक्सीजन पैदा करेगा।

फाउंडेशन अध्यक्ष व विधायक चेतन्य काश्यप ने सोमवार को शासकीय मेडिकल कॉलेज अध्यक्ष व संभागायुक्त संदीप यादव को प्रेशर स्विंग एब्जॉर्प्शन (पीएसए) ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट लगाने का प्रस्ताव दिया। संभागायुक्त ने तत्काल अनुमति दे दी। शाम को कलेक्टर गोपालचंद्र डाड ने मेडिकल कॉलेज डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता और एसपी गौरव तिवारी की मौजूदगी में अनुमति-पत्र फाउंडेशन को सौंप दिया। विधायक काश्यप ने प्लांट लगाने वाली ट्राइडेंट कंपनी को 50 फीसदी राशि एडवांस दे दी है। प्लांट मेडिकल कॉलेज की संपत्ति रहेगी।

प्लांट की खासियत रहेगी कि यह सीधे हवा से ऑक्सीजन पैदा करेगा

प्लांट लगाने के लिए विधायक को संभागायुक्त का अनुमति पत्र सौंपते कलेक्टर डाड।

ऐसा ऑक्सीजन प्लांट लगेगा।

अभी सूरत से टैंकर से मंगा रहे ऑक्सीजन

विधायक काश्यप ने बताया वर्तमान में मेडिकल कालेज के लिए सूरत से टैंकर से लिक्विड ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा रही है। यहां रतलाम, मंदसौर, नीमच, धार, उज्जैन और झाबुआ के मरीजों का इलाज जारी है। इसमें अनिश्चितता होने से तनाव बना रहता है। प्लांट लगाने से यह अनिश्चितता खत्म हो जाएगी। अभी मेडिकल कॉलेज में ऐसा कोई प्रावधान नहीं था। प्लांट की लागत 88.50 लाख और जनरेटर, अन्य प्लेटफॉर्म व शेड सहित कुल 1.02 करोड़ रुपए होगी। भारत सरकार देशभर में इसी तरह के पीएसए टेक्नोलॉजी वाले 250 प्लांट लगवा रही है। रतलाम जिला चिकित्सालय में 20 बिस्तर का कोविड आईसीयू बनाया है, उसमें 30 मीटर क्यूब प्रति घंटे का पीएसए ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट लगाया जा रहा है।

मंदसौर : आरटीपीसीआर लैब के लिए समाजसेवी गनेड़ीवाल ने दिए 15 लाख, पहले दे चुके हैं 29 ऑक्सीजन मशीनें

मंदसौर | जिला अस्पताल में आरटीपीसीआर लैब शुरू करने के लिए सोमवार को समाजसेवी प्रदीप गनेड़ीवाल ने 15 लाख रुपए का चेक कलेक्टर मनोज पुष्प को दिया। विधायक यशपालसिंह सिसौदिया ने सीएम को पत्र लिखकर समाजसेवी गनेड़ीवाल के साथ मिलकर विधायक निधि से आरटीपीसीआर लैब शुरू करने की बात कही थी। सिसौदिया विधायक निधि से 25 लाख रुपए दे रहे हैं। इसके अलावा समाजसेवी गनेड़ीवाल ने सोमवार को 10 लीटर क्षमता वाली 12 ऑक्सीजन मशीन दी। उन्होंने 50 मशीन देने की घोषणा की थी। इनमें से 17 मशीन पहले दे चुके हैं। समाजसेवी गनेड़ीवाल ने बताया जल्द ही उपलब्ध होने पर बाकी की मशीनें दे दी जाएंगी।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार..........पृष्ठ ......दिनांक..........2021

कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए नगर में प्रतिदिन किया जा रहा है सेनेटाईजेशन

रतलाम ■ राज न्यूज नेटवर्क

रतलाम नगर के नागरिकों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने हेतु जिला कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम गोपालचन्द्र डाड के निर्देशानुसार निगम के विभिन्न वाहनों के माध्यम से सोडियम हाईपोक्लोराईड से सेनेटराईज किया जा रहा है साथ ही माईक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्रों में भी हैण्ड मशीन से सेनेटाईजेशन किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा प्रतिदिन फायर लॉरी व ट्रेक्टर ट्रॉली से नगर के विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों, गलियों, भवन आदि को 1 प्रतिशत सोडियम हाईपोक्लोराईड मिलाकर 1 लाख लीटर से सेनेटराईज किया जा रहा है। रविवार को फायर लॉरी से अम्बिका नगर, न्यु कलेक्टोरेट परिसर, विनोबा नगर मुक्तिधाम, थावरिया बाजार, रामदेवजी की घाटी, चिन्तामण गणेश रोड, पैलेस रोड, महलवाड़ा चौराहा, पीएण्डटी कालोनी, चार चक्की चौराहा, धभाईजी का वास, हाकमवाड़ा, काजीपुरा, शैरानीपुरा, चौमुखी पुल, मोती बावजी का मंदिर, भराबा की कुई, कलाईगर रोड, माणक चौक, लक्ष्मी मंदिर, डालूमोदी बाजार, जेल रोड, जिला चिकित्सालय, कॉलेज रोड, नगर निगम तिराहा सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सेनेटाईजेशन किया गया। इसके अलावा 14 व्यक्तियों की टीम द्वारा हैण्ड मशीन के माध्यम से मेडिकल कॉलेज, माईक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्र, कलेक्टोरेट, ई-दक्ष कार्यालय, नगर निगम कार्यालय सहित शासकीय कार्यालयों आदि में सेनेटराईजेशन का कार्य किया गया। नगर के सेनेटराईज किये जाने के साथ ही स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई का कार्य किया जा रहा है व सफाई उपरान्त सफाई स्थल व नालियों में कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जा रहा है।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार ----------------- पृष्ठ ..13... दिनांक....20.4.....2021

कोरोना काल में जहां जनता कर्फ्यू के कारण चारों ओर सन्नाटा है, सड़कों पर कम ही आवाजाही है ऐसे में नगर निगम के सामने बना फव्वारा इन दिनों आकर्षण का केंद्र है।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार .... पृष्ठ 6..... दिनांक 2021

होम आइसोलेशन के मरीजों को मेडिसिन किट वितरण के लिए प्रभारी अधिकारी होंगे नियुक्त

प्रमुख सचिव नगरीय विकास ने जारी किये निर्देश

रतलाम। नगरीय क्षेत्रों में होम आइसोलेशन में स्थित कोविड मरीजों को उनके घर पर ही कोविड-19 के स्व-प्रबंधन के लिये आवश्यक मेडिसिन किट और स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों को पहुँचाने के लिए प्रत्येक जोन, वार्ड के अनुसार प्रभारी अधिकारी नियुक्त किये जाएँ। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीतिश व्यास ने समस्त आयुक्त नगर पालिका निगम और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को उक्त निर्देश जारी किये हैं। प्रमुख सचिव श्री व्यास ने बताया कि प्रत्येक जिले में होम आइसोलेशन में स्थिति मरीजों के मॉनिटरिंग के लिए कन्ट्रोल रूम या कंट्रोल कमांड सेन्टर संचालित हैं। इस व्यवस्था के संचालन के लिए यथा संभव इसे ही केन्द्र बिन्दु बनाया जाए। छोटे निकायों में वार्ड/जोन के अनुसार प्रभारी अधिकारी या टीम की आवश्यकता न हो तो स्थानीय परिस्थिति अनुसार कार्यवाही की जाए।

मेडिसिन किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रतियाँ कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी, किन्तु कई जिलों में ऐसी स्थिति हो सकती है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा किट के स्थान पर मेडिसिन उपलब्ध कराई जाए, जिसको किट में परिवर्तित करना होगा। नगरीय निकाय इस हेतु आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। ऐसी किट का निर्माण कलेक्टर के माध्यम से नियुक्त स्वास्थ्य विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में किया जाए। स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति अगर स्वास्थ्य विभाग द्वारा मुद्रित कर उपलब्ध नहीं कराई जाती है तो निकाय आवश्यकतानुसार मुद्रण सुनिश्चित किया जाए।

श्री व्यास ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि वर्तमान में होम आइसोलेशन में स्थित ऐसे कोविड मरीज जिनको अभी तक मेडिसिन किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति उपलब्ध नहीं हुई है, उन्हें तत्काल प्रभाव से यह उपलब्ध कराई जाए। इसके पश्चात् प्रतिदिन होम आइसोलेशन में रहने वाले नए कोविड मरीजों को मेडिकल किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति उपलब्ध हो यह सुनिश्चित किया जाए। प्रतिदिन होम आइसोलेशन मरीजों की सूची जिले के महामारीविद् (Epidemiologist) या कलेक्टर द्वारा नियुक्त अधिकारी से सुबह 7 बजे प्राप्त की जाए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रतिदिन होम आइसोलेशन में नए मरीजों को उसी दिन उपरोक्तानुसार सामग्री उपलब्ध हो।

प्रत्येक निकाय में इस सम्पूर्ण व्यवस्था के प्रभारी एवं वार्ड एवं जोन वाईज टीम के प्रभारियों के फोन नम्बर का प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अगर होम आइसोलेशन में स्थित किसी मरीज को मेडिकल किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति प्राप्त नहीं होती है, तो वे तुरंत सम्पर्क कर सकें। जिला मुख्यालय में होम आइसोलेशन में स्थित मरीजों के मॉनिटरिंग हेतु निर्धारित कन्ट्रोल रूम, कन्ट्रोल एवं कमांड सेंटर का दूरभाष क्रमांक का पर्याप्त प्रचार-प्रसार हो, जिस पर भी कोविड मरीज मेडिकल किट प्राप्ति हेतु सूचना दे सकते हैं। शेष निकाय में भी स्थापित किए जाने वाले कन्ट्रोल रूम में दूरभाष नम्बर का प्रचार-प्रसार करें।

कन्ट्रोल रूम/कन्ट्रोल कमांड सेन्टर में पर्याप्त संख्या में मेडिसिन एवं मेडिसिन किट की उपलब्धता सुनिश्चित रखी जाए। उपलब्धता में कमी होने पर तुरंत कलेक्टर के संज्ञान में इस बात को लाया जाए।

लॉकडाउन के उल्लंघन पर 4 दुकानदारों के खिलाफ केस

भास्कर संवाददाता | रतलाम

20-5-21

कोरोना संक्रमण के फैलने के कारण जिले में लागू लॉकडाउन का उल्लंघन हो रहा है। प्रशासन आवश्यक वस्तुओं की खरीद बिक्री की अनुमति दी। परंतु कॉस्मेटिक, बर्तन और कपड़ों की दुकानों के व्यापारी भी दुकान खोलकर ग्राहकों की भीड़ लगा रहे हैं। सोमवार को माणकचौक क्षेत्र में व्यावसायियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

थाना प्रभारी अयूब खान ने बताया घासबाजार में कॉस्मेटिक दुकान में ग्राहकों की भीड़ मिलने पर दुकान संचालक पीयूष पिता पारसमल भंडारी (46) निवासी चौमुखीपुल के खिलाफ नौलाईपुरा में कपड़े की दुकान खुली मिलने पर दिनेश पिता सुनील जैन (26) निवासी नोलाईपुरा के खिलाफ, कसारा बाजार में बर्तन की दुकान में ग्राहकों की भीड़ मिलने पर दुकान संचालक सुनील पिता राधेश्याम कसेरा (48) निवासी दीनदयाल नगर एवं पोरवाड़ों का वास में साड़ियों की दुकान खुली मिलने तथा दुकान में ग्राहकों के बैठे मिलने पर पारसमल पिता बाबूलाल जैन (65) निवासी पोरवाड़ों का वास के खिलाफ लॉकडाउन के उल्लंघन का प्रकरण दर्ज किया है।

लॉकडाउन में मावा बेचने के लिए आ गए 40 से ज्यादा ग्रामीण, पुलिस पहुंची तो लगाई दौड़

रतलाम | लॉकडाउन के बावजूद सोमवार को आसपास के गांवों के ग्रामीण चांदनीचौक में मावा बेचने पहुंच गए। 180 से 200 रुपए प्रतिकिलो में मावा बेचा। ग्रामीणों को देख लोग भी मावा खरीदने पहुंच गए। भीड़ लग गई। माणकचौक थाना पुलिस की मैजिक पहुंची तो मावा बेचने वाले ग्रामीणों के साथ खरीदारों ने दौड़ लगा दी। दो से तीन मावा बेचने वाले ग्रामीणों को पुलिस ने पकड़ा और समझाया कि लॉकडाउन चल रहा है और आप मान नहीं रहे हो और मावा बेचने आ गए हो।

लगातार दूसरे दिन भी पांच दुकानदारों के खिलाफ लॉक डाउन के उल्लघंन के मामले दर्ज

रतलाम। जिले में कोरोना का कहर लगातार जारी है। बावजूद कई लोग नियमों की अनदेखी करते देखे जा रहे है। बीते दिन भी लॉक डाउन के दौरान कई दुकानदार नियमों के विरुद्ध दुकानें खोलकर सामग्री का विक्रय करते पाए गए थे, जिसके बाद पुलिस ने ऐसे दुकानदारों के खिलाफ मामले दर्ज कर कार्यवाही शुरू की।

जानकारी के अनुसार लॉक डाउन उल्लंघन के सभी मामले माणक चौक थाना क्षेत्र अंतर्गत सामने आए है, जहां बी. एम बोथरा पूजा सामग्री की दुकान के संचालक दीपक पिता समरथमल जैन, तलेरा एंड संस पुजा सामग्री की दुकान के संचालक सोमिल पिता रमेशचंद्र जैन, पूजा सामग्री दुकान के संचालक विजय पिता शांतिलाल सांखला, खवासा वाला किराना दुकान संचालक जोहर पिता गुलाम अब्बास बोहरा और हेमंत किराना दुकान के संचालक सुरेश पिता किशनलाल कोटवानी जाति सिंधी समेत सभी दुकानदार लॉक डाउन के दौरान अपनी-अपनी दुकानें खोलकर सामान बेच रहे थे।

शिकायत मिलने पर माणक थाने के कई पुलिस कर्मी मौके पहुंचे और सभी दुकान संचालको के खिलाफ धारा 188 के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है। पूर्व में भी माणक थाने ऐसे तीन मामले सामने आ चुके है। बावजूद लगातार कई दुकानदार नियमों की अनदेखी करते देखे जा रहे है। 20-5-21

लॉकडाउन में दुकाने खोली और सामान बेचने लगे, 5 दुकानदारों पर प्रकरण दर्ज

रतलाम (आरएनएन)। माणक चौक पुलिस ने लॉकडाउन के दौरान दिए गए निर्देशों की अवहेलना करते हुए दुकानें खोलने के आरोप में पांच दुकानदारों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने माणक चौक स्थित बीएम बोथरा की पूजा सामग्री दुकान को सील करते हुए संचालक दीपक पिता समरथमल जैन के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। तो इसी तरह तलेरा एण्ड संस की पूजा सामग्री कीदुकान से सामान बेचने के आरोप में सोमिल पिता रमेशचंद्र जैन निवासी पैलेस रोड के खिलाफ केस बनाया। इसी प्रकार विजय कुमार पिता मांगीलाल सांखला द्वारा भी पूजा सामग्री की दुकान खोली गई जिस पर केस बनाया गया तो ही खवासा वाला किराना दुकान मिर्ची गली के संचालक जोहर पिता गुलाब अब्बासी निवासी बोहरा बाखल व हेमंत किराना मिर्चीगली के संचालक सुरेश कोटवानी निवासी सिंधु नगर के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। 20-5-21

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–दै. भास्कर–पृष्ठ 2...दिनांक 20-4...2021

500 से ज्यादा शहरवासी आइसोलेट, नगर निगम मेडिसिन किट घर भेजेगा

भास्कर संवाददाता | रतलाम

20-4-2021

कोविड-19 से संक्रमित होकर शहर के 500 से ज्यादा होम आइसोलेट मरीजों को घर पर बैठे मेडिसिन किट मिलेगी। मरीजों की सुविधा के लिए इसके साथ स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति दी जाएगी। इसकी जिम्मेदारी प्रशासन ने नगर निगम को दी है। आयुक्त सोमनाथ झारिया ने सोमवार को किट वितरण की व्यवस्था बनाते हुए वार्ड वार दल का गठित कर पर्यवेक्षकों और वार्ड प्रभारियों को नियुक्त कर दिया है। नोडल अधिकारी कार्यपालन यंत्री जीके जायसवाल, जबकि सहायक उद्यान पर्यवेक्षक धर्मेंद्र दौगाया होंगे। स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह हर ई-दक्ष केंद्र से होम आइसोलेट मरीजों की लिस्ट लेकर जिला अस्पताल के स्टोर से किट प्राप्त करके अग्निशमन कार्यालय में उपलब्ध कराएंगे। फायरमैन देवेंद्र पुरोहित कीट को रिकॉर्ड में दर्ज कर दल को देंगे। वार्ड पर्यवेक्षकों द्वारा संकलित की जानकारी रोज वासुदेव बैरागी सहायक राजस्व निरीक्षक को उपलब्ध कराएंगे।

22 से ज्यादा इलाके सैनिटाइज्ड

सोमवार को 22 से ज्यादा इलाकों को सैनिटाइज्ड किया। 3 फॉयर लारी ने 6 चक्कर लगाए। 10 कर्मचारियों ने हैंड मशीनों से मेडिकल कॉलेज, ई-दक्ष केंद्र, जिला अस्पताल सहित अन्य कार्यालयों में छिड़काव किया। आयुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया अलकापुरी बी सेक्टर, दिलीप नगर, करमदी रोड, गीता मंदिर रोड, कोर्ट तिराहा व, नाहरपुरा चौराहा, नाहरपुरा मस्जिद वाली गली, गोशाला रोड, शहर सराय, सैलाना बस स्टैंड चौराहा, तिरुपति नगर, त्रिमूर्ति नगर, महू रोड बस स्टैंड, मिड टाउन सोसायटी, हाट रोड लक्ष्मणपुरा, सिलावटों का वास, जवाहर नगर आदि को सैनिटाइज किया गया।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–दै. भास्कर पृष्ठ 17 दिनांक 20-4-2021

मेडिकल कॉलेज हाउसफुल : रात 12.10 बजे बंद करना पड़े गेट क्योंकि आसपास के जिलों से बिना सूचना के पहुंच रहे मरीज

रतलाम | कोरोना संक्रमण की रफ्तार ने मेडिकल कॉलेज की इंतजामों को पीछे छोड़ दिया है। पांच दिन से हाउसफुल चलने के बावजूद आसपास के जिलों के मरीज बिना सूचना के पहुंच रहे हैं। इसके चलते सोमवार रात 12.10 बजे कॉलेज प्रबंधन को गेट तक बंद करना पड़ गए। अभी मेडिकल कॉलेज में 596 बेड है। इनमें से 146 आईसीयू, एचडीयू और वेंटिलेटर वाले, जबकि 250 ऑक्सीजन सपोर्ट वाले हैं। सभी पर मरीजों का इलाज चल रहा है। डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता का कहना है कि मरीज अंदर आकर काफी देर बहस करते हैं। बजाए इसके जिला मुख्यालय या समीपी अस्पतालों में जाएं जिससे मरीज को समय पर इलाज मिल सकेगा।

भास्कर 20-4-21

रतलाम : 1 दिन में सर्वाधिक 217 पॉजिटिव, कुल संक्रमित 8 हजार के पार

5 दिन में 7000 से 8000 हो गए संक्रमित, 4 लोगों ने तोड़ा दम

रतलाम | जिले में कोरोना संक्रमण बेकाबू रफ्तार से बढ़ रहा है। सोमवार को संक्रमित का आंकड़ा 8000 के पार हो गया है। सिर्फ 5 दिन में ही पॉजिटिव 7000 से 8000 हो गए हैं। 14 अप्रैल को 7000 संक्रमित हुए थे।

सोमवार को शहर में पहली बार 217 लोग पॉजिटिव मिले। चौंकाने वाली बात तो ये है कि संक्रमितों में 70% लोगों की उम्र 50 साल से कम है। सोमवार को 4 लोगों ने दम तोड़ दिया है। अप्रैल महीने में दूसरी बार ऐसा हुआ है, जब कोरोना संक्रमित मरीज की संख्या 200 के पार हुई है। इससे पहले 17 अप्रैल को संख्या 206 रही थी। संक्रमितों में 4, 5, 8, 8, 11 साल के पांच बच्चे भी शामिल हैं। पॉजिटिव में 70% लोगों की उम्र 50 साल से कम होना चिंता की बात है, इनमें भी युवाओं की संख्या ज्यादा है।

अब तक 144 लोगों ने तोड़ा दम

इधर, जिले में मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। सोमवार को 4 लोगों ने कोरोना से जान गंवा दी। कोरोना से मौत का आंकड़ा 144 पर पहुंच गया है।

शुरू के 1 हजार मरीज 5 माह में आए थे

जिले में पॉजिटिव केस 6000 से 7000 होने में 7 दिन लगे थे। वहीं 5000 से 6000 13 दिन में हुए थे। शुरुआती 1000 पॉजिटिव मिलने में 5 माह का समय लगा था। संक्रमण अभी बेकाबू रफ्तार से बढ़ रहा है

नागरिकों के सहयोग से स्वच्छता में रतलाम नगर बनेगा नम्बर 1

रतलाम । कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम रतलाम श्री गोपालचन्द्र डाड व निगम आयुक्त श्री सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार रतलाम नगर के सभी 49 वार्डो को जीरो वेस्ट वार्ड बनाया जा चुका है जिसके तहत स्व सहायता समूह की रैग पिकर्स महिलाओं को शहर में ही रोजगार मिलने के साथ,ही सूखे कचरे का निष्पादन भी किया जा रहा है इस कार्य में रतलाम नगर के नागरिक भी जागरूक हो चुके है नागरिकों के सहयोग से ही रतलाम नगर स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 में नम्बर 1 बनेगा। निगम आयुक्त श्री सोमनाथ झारिया ने बताया कि नगर के सभी 49 वार्डो को जीरो वेस्ट वार्ड बनाये जाने से वार्डो की सड़कों, गलियों एवं नालियों में कचरे की मात्रा कम हुई है नागरिक भी प्रातः अपने घरों, दुकानों से निकलने वाले कचरे का स्वंय गीले एवं सूख्खे कचरे पृथक्कीकरण कर कचरा संग्रहण वाहन में डाला जा रहा है इस कार्य में रैग पिकर्स महिलाओं द्वारा भी पुरा सहयोग किया जा रहा है। निगम कचरा संग्रहण वाहन के सूखे कचरे को एक स्थान पर खाली किया जाकर रैग पिकर्स महिलाओं द्वारा पुस्टा, अखबार, लोहा, कपड़ा, शाल, कांच, पैकिंग मटेरियल, टुटे खिलौने, प्लास्टिक आदि को पृथक कर कबाड़ी को बेचा जा रहा है जिसका कबाड़ी द्वारा रजिस्टर भी संधारित किया जा रहा है।

वार्डों में कचरा संग्रहण वाहन के साथ दुर्गा व ईश्वर स्व सहायता समूह रैग पिकर्स महिला, आई.ई.सी. टीम के सदस्य, वार्ड पर्यवेक्षक, दरोगा, इंजीनियर आदि ने वार्ड के 100 प्रतिशत घरों पर जाकर नागरिकों से गीला एव सूखा कचरा पृथक-पृथक प्राप्त कर निगम के कचरा संग्रहण वाहन के पृथक-पृथक वाहनों में डाला। संग्रहित किये गये सूखे कचरे को एक स्थान पर खाली कर समूह की महिलाओं द्वारा कचरे की छंटनी कर एकत्रित किया गया। नागरिकों से अपील जाती है कि वे अपने घरो एवं दुकानों से निकलने वाले गीले एवं सूखे कचरे को पृथक-पृथक कचरा पात्रों में एकत्रित कर अपने घर के बाहर रख दें निगम द्वारा उसे कचरा संग्रहण वाहन में पृथक-पृथक डाला जायेगा।

निगम आयुक्त श्री झारिया ने बताया कि स्व सहायता समूहों की रैग पिकर्स महिलाऐं अपना एवं अपने परिवार का जीवन यापन करने के लिये अपने बच्चों के साथ जुलवानिया टेंचिंग ग्राउण्ड पर सूखे कचरे से प्लास्टिक, रबर, बॉटल व अन्य सामग्री अलग-अलग करके कबाड़ी को विक्रय कर नारकीय जीवन व्यतीत कर रही थी।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार............पृष्ठ ..11.. दिनांक..........2021

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव हेतु नगर में प्रतिदिन किया जा रहा है सेनेटाईज़ेशन का कार्य

रतलाम । रतलाम नगर के नागरिकों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने हेतु जिला कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम गोपालचन्द्र डाड के निर्देशानुसार निगम के विभिन्न वाहनों के माध्यम से सोडियम हाईपोक्लोराईड से सेनेटराईज किया जा रहा है साथ ही माईक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्रों में भी हैण्ड मशीन से सेनेटाईजेशन किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा प्रतिदिन फायर लॉरी व टेक्सटर ट्रॉली से नगर के विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों, गलियों, भवन आदि को 1 प्रतिशत सोडियम हाईपोक्लोराईड मिलाकर 1 लाख लीटर से सेनेटराईज किया जा रहा है। 18 अप्रैल रविवार को फायर लॉरी से अम्बिका नगर, न्यू कलेक्टोरेट परिसर, विनोबा नगर मुक्तिधाम, थावरिया बाजार, रामदेवजी की घाटी, चिन्तामण गणेश रोड, पैलेस रोड, महलवाड़ा चौराहा, पीएण्डटी कालोनी, चार बत्ती चौराहा, धभाईजी का वास, हाकमवाड़ा, काजीपुरा, शेरानीपुरा, चौमुखी पुल, मोती बाबजी का मंदिर, भराबा की कुई, कलाईगर रोड, माणक चौक, लक्ष्मी मंदिर, डालूमोदी बाजार, जेल रोड, जिला चिकित्सालय, कॉलेज रोड, नगर निगम तिराहा सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सेनेटाईजेशन किया गया। इसके अलावा 14 व्यक्तियों की टीम द्वारा हैण्ड मशीन के माध्यम से मेडिकल कॉलेज, माईक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्र, कलेक्टोरेट, ई-दक्ष कार्यालय, नगर निगम कार्यालय सहित शासकीय कार्यालयो आदि में सेनेटराईजेशन का कार्य किया गया। नगर के सेनेटराईज किये जाने के साथ ही स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई का कार्य किया जा रहा है व सफाई उपरान्त सफाई स्थल व नालियों में कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जा रहा है।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार दै. भास्कर पृष्ठ 20 दिनांक 20.4...2021

लापरवाही का संक्रमण : धानमंडी में लगा ही नहीं कि यह लॉकडाउन के दौरान की तस्वीर है

रतलाम | यह तस्वीर लॉकडाउन की है। लॉकडाउन खत्म 26 अप्रैल सुबह 6 बजे तक के लिए बढ़ाया है। सोमवार से मोहल्ला की किराना दुकानों को सुबह 10 से शाम 5 बजे तक खुली रखाने की अनुमति है, लेकिन प्रमुख बाजारों में भीड़ ऐसी उमड़ी कि लगा ही नहीं कि लॉकडाउन है। भीड़ में शामिल हो लोग खुद के साथ परिवार को अंधेरे में रख रहे हैं। अभी कोरोना संक्रमण के चलते रतलाम में रोज तीन से चार लोगों की मौत के मामले सामने आ रहे हैं। संदिग्धों की मौत के आंकड़े 15 से 20 के हैं। मेडिकल कॉलेज में बेड तक खाली नहीं है। गुजरात और गाजियाबाद से ऑक्सीजन की व्यवस्था हो रही है और ऐसे में यह लापरवाही सकारात्मक प्रयासों पर पानी फेर रही है। फोटो - पिंटू मेहता

भास्कर 20-4-2021

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–नईदुनिया–पृष्ठ 8......दिनांक 20.4.....2021

सावधानी | **14 व्यक्तियों की टीम हैंड मशीन के माध्यम से भी कर रही छिड़काव**

फायर लारी और ट्रैक्टर-ट्राली से कर रहे शहर को सैनिटाइज

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। नगर निगम द्वारा प्रतिदिन फायर लारी व ट्रैक्टर-ट्राली से शहर के विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों, गलियों, भवन आदि को एक प्रतिशत सोडियम हाईपोक्लोराइड मिलाकर एक लाख लीटर पानी से सैनिटाइजेशन किया जा रहा है।

18 व 19 अप्रैल को फायर लारी से अलकापुरी बी सेक्टर, अलकापुरी मुख्य मार्ग, दिलीप नगर चौराहा, करमदी रोड, भक्तन की बावड़ी मुक्तिधाम, दिलीप नगर, गीता मंदिर रोड, अर्जुन नगर, कोर्ट तिराहा, कोर्ट परिसर, नाहरपुरा चौराहा, नाहरपुरा मस्जिद वाली गली, गोशाला रोड, शहर सराय, सैलाना बस स्टैंड चौराहा, तिरुपति नगर, त्रिमूर्ति नगर, महू रोड बस स्टैंड, मित्र टाउन सोसाइटी, मंगलम सिटी, सुभाष नगर, हाट रोड चौराहा, हाट रोड, लक्ष्मणपुरा, रिटायर्ड कालोनी, सिलावटों का वास, इंदिरानगर, लक्कड़पीठा, जवाहर नगर मुक्तिधाम, बाजना बस स्टैंड चौराहा, ईश्वर नगर, राम रहीम नगर, जवाहर नगर, लक्ष्मी नगर, जवाहर नगर बी कालोनी, लक्ष्मी नगर बी सेक्टर सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सैनिटाइजेशन किया गया।

महू रोड बस स्टैंड परिसर में फायर लारी से सैनिटाइजेशन करते हुए निगमकर्मी। • नईदुनिया 20-4-2021

इसके अलावा 14 व्यक्तियों की टीम द्वारा हैंड मशीन के माध्यम से मेडिकल कालेज, माइक्रो कंटेनमेंट क्षेत्र, कलेक्टोरेट, ई-दक्ष कार्यालय, नगर निगम कार्यालय सहित शासकीय कार्यालयों आदि में सैनिटाइजेशन का कार्य किया गया।

1.02 करोड़ में लगेगा आक्सीजन प्लांट, लागत चेतन्य काश्यप फाउंडेशन देगा

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना संक्रमण की रफ्तार बढ़ने के बाद आक्सीजन की कमी को पूरा करने को लेकर अब एक बड़ी सौगात रतलाम को मिलेगी। चेतन्य काश्यप फाउंडेशन को मेडिकल कालेज में आक्सीजन कंसंट्रेटर प्लांट स्थापित करने की अनुमति मिलने के बाद दो से तीन सप्ताह में डिलीवरी शुरू हो जाएगी। 1.02 करोड़ रुपये की लागत वाले इस प्लांट की क्षमता 57 मीटर क्यूब होगी।

फाउंडेशन अध्यक्ष एवं विधायक चेतन्य काश्यप ने बताया कि मेडिकल कालेज में वर्तमान में टैंकर द्वारा लिक्विड आक्सीजन की आपूर्ति की जा रही है। जिसकी अनिश्चितता से हमेशा तनाव बना रहता है। देश में कई प्रमुख मेडिकल कालेजों में पीएसए टेक्नोलाजी के आक्सीजन जनरेशन प्लांट लगाए गए हैं। यह प्लांट सीधी हवा से आक्सीजन स्थानीय स्तर पर ही उत्पादित करता है। रतलाम मेडिकल कालेज में ऐसा कोई प्रावधान नहीं था, इसलिए उन्होंने संभागायुक्त को फाउंडेशन की ओर से ट्राइडेंट कंपनी का पीएसए आक्सीजन जनरेशन प्लांट स्थापित करने का प्रस्ताव दिया था। प्लांट की लागत 88.50 लाख एवं जनरेटर व अन्य प्लेटफार्म व शेड सहित कुल लागत 1.02 करोड़ रुपये रहेगी।

विधायक चेतन्य काश्यप को संभागायुक्त का अनुमति पत्र सौंपते हुए कलेक्टर गोपालचंद्र डाड। •नईदुनिया

आक्सीजन प्लांट। •नईदुनिया

दो से तीन सप्ताह में मिलने लगेगी डिलीवरी : काश्यप ने बताया कि पीएसए तकनीक पर आधारित ट्राइडेंट कंपनी के इस प्लांट की डिलीवरी दो से तीन सप्ताह में प्राप्त हो जाएगी। कंपनी द्वारा छत्तीसगढ़ के 5 जिला अस्पतालों सहित देश-विदेश के कई मेडिकल कालेजों में प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं। भारत सरकार द्वारा जिला चिकित्सालय में 20 बिस्तर का कोविड आइसीयू बनाया गया है, उसमें भी 30 मीटर क्यूब प्रति घंटे का पीएसए आक्सीजन जनरेशन प्लांट लगाया जा रहा है। प्लांट लगने से महामारी के समय में अतिरिक्त आक्सीजन की उपलब्धता होगी और आइसीयू के सभी 140 मरीजों को निर्बाध आक्सीजन मिल जाएगी।

सौगात

- 57 मीटर क्यूब का होगा पीएसए कंसंट्रेटर
- दो से तीन सप्ताह के अंदर डिलीवरी शुरू हो जाएगी

मेडिकल कालेज की संपत्ति रहेगा: महामारी के बाद सामान्य समय में भी यह प्लांट निरंतर उपयोग में आएगा। फाउंडेशन अध्यक्ष व विधायक काश्यप ने संभागायुक्त संदीप यादव से वर्तमान में परिस्थितियों को देखते हुए प्लांट स्थापना की अनुमति शीघ्र देने का आग्रह किया था, जिस पर संभागायुक्त ने तत्काल कार्यवाही करते हुए फाउंडेशन के व्यय पर उक्त प्लांट स्थापित करने की अनुमति दे दी है। कलेक्टर गोपालचंद डाड ने संभागायुक्त की अनुमति वाला पत्र फाउंडेशन अध्यक्ष एवं विधायक चेतन्य काश्यप को सौंपा। इस दौरान एसपी गौरव तिवारी एवं मेडिकल कालेज के डीन डा. जितेन्द्र गुप्ता उपस्थित रहे। यह प्लांट मेडिकल कालेज की संपत्ति होगा।

---

57 मीटर क्यूब का होगा पीएसए कंसनट्रेटर प्लांट: कलेक्टर ने सौंपा संभागायुक्त की अनुमति का पत्र

चेतन्य काश्यप फाउण्डेशन लगाएगा 1.02 करोड़ का ऑक्सीजन प्लांट

पत्रिका सोशल प्राइड

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप एवं ऑक्सीजन की समस्या को दूर करने के लिए चेतन्य काश्यप फाउण्डेशन मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन कंसनट्रेटर प्लांट स्थापित करेगा। 1.02 करोड़ रुपए की लागत वाले इस प्लांट की क्षमता 57 मीटर क्यूब होगी। संभागायुक्त संदीप यादव ने फाउण्डेशन को प्लांट स्थापना की अनुमति तत्काल दे दी। कलेक्टर गोपालचंद डाड ने संभागायुक्त की अनुमति वाला पत्र फाउण्डेशन अध्यक्ष एवं विधायक चेतन्य काश्यप को सौंपा।

फाउण्डेशन अध्यक्ष एवं विधायक चेतन्य काश्यप ने बताया कि रतलाम मेडिकल कालेज में वर्तमान में टेंकर द्वारा लिक्वीड ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा रही है। जिसकी अनिश्चितता से हमेशा तनाव बना रहता है। देश में कई प्रमुख मेडिकल कॉलेजों में पीएसए टेक्नोलॉजी के ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट लगाए गए हैं। यह प्लांट सीधी

हवा से ऑक्सीजन स्थानीय स्तर पर ही उत्पादित करता है। जिसके कारण सप्लाय की अनिश्चितता खत्म होती है। रतलाम मेडिकल कॉलेज में ऐसा कोई प्रावधान नहीं था, इसलिए उन्होंने संभागायुक्त को चेतन्य काश्यप फाउण्डेशन से रतलाम मेडिकल कॉलेज में 57 मीटर क्युब का ट्राइडेंट कंपनी का पीएसए ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट स्थापित करने का प्रस्ताव दिया था। प्लांट की लागत 88.50 लाख एवं जनरेटर व अन्य प्लेटफार्म व शेड सहित कुल लागत 1.02 करोड़ रुपए रहेगी।

काश्यप ने बताया कि पीएसए तकनीक पर आधारित ट्राइडेंट कंपनी के इस ऑटोमेटिक प्लांट की डिलीवरी 2 से 3 सप्ताह में प्राप्त हो जाएगी। कंपनी द्वारा छत्तीसगढ़ के 5 जिला अस्पतालों सहित देश-विदेश के कई मेडिकल कॉलेजों मे प्लांट स्थापित किए जा चुके है। श्री काश्यप के अनुसार भारत सरकार द्वारा जिला चिकित्सालय में 20 बिस्तर का कोविड आइसीयू बनाया गया है, उसमें भी 30 मीटर क्यूब प्रति घण्टे का पीएसए ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट लगाया जा रहा है। चेतन्य काश्यप फाउण्डेशन द्वारा प्लांट स्थापित किए जाने पर इस महामारी के समय में अतिरिक्त ऑक्सीजन की उपलब्धता होगी और आइसीयू के समस्त 140 मरीजों को निर्बाध ऑक्सीजन मिल जाएगी। महामारी के पश्चात सामान्य समय में भी यह प्लांट निरंतर उपयोग में आएगा। उन्होंने संभागायुक्त से वर्तमान में परिस्थितियों को देखते हुए प्लांट स्थापना की अनुमति शीघ्र देने का आग्रह किया था, जिस पर संभागायुक्त ने तत्काल कार्यवाही करते हुए फाउण्डेशन के व्यय पर उक्त प्लांट स्थापित करने की अनुमति दे दी है। यह प्लांट मेडिकल कॉलेज की संपत्ति होगा। इससे वर्तमान हालात में लाभ होगा।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–नई दुनिया--पृष्ठ 18....दिनांक 20-4....2021

217 मरीज, 4 मौत, निजी में 30% बेड रिजर्व

इलाज की दर व दवाओं की सूची लगाना होगी, संक्रमण बढ़ने से प्रशासन ने की व्यवस्था

20-4-2021

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मेडिकल कालेज में बेड फुल होने के बाद अब प्रशासन ने निजी अस्पतालों में कोरोना मरीजों के उपचार को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है। नए आदेश में निजी अस्पतालों के 30 प्रतिशत बेड कोरोना मरीजों के लिए रिजर्व रहेंगे। इधर सोमवार को 217 नए मरीज मिले और चार मौत हो गई। कुल मरीज 8096 व स्वस्थ होने वालों की संख्या 6696 है। अब तक 144 मौत हुई है। एक्टिव मरीजों की संख्या 1256 है। अप्रैल माह के 19 दिन में 52 मौत हुई है।

कलेक्टर गोपालचंद्र डाड के निर्देश पर सीएमएचओ डा प्रभाकर ननावरे द्वारा जारी आदेश में निजी अस्पताल शासन द्वारा तय दर पर उपचार करेंगे और दरों की सूची भी प्रदर्शित करना होगी। मरीजों के आने व जाने के लिए अलग-अलग मार्ग, उपचार का संपूर्ण रिकार्ड रखने, कर्मचारियों का बीमा कराने के लिए भी कहा गया है। कोरोना मरीजों के उपचार के लिए 28 फरवरी को तय दर से 40 प्रतिशत अधिक तक संचालक राशि ले सकेंगे।

भर्ती मरीज को चार घंटे बाद मिला, मौत

मेडिकल कालेज में आइसीयू में भर्ती मरीज की जानकारी लेने के लिए सोमवार को एक मरीज के स्वजन परेशान होते रहे। विजय संघवी को रविवार को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया था। सुबह पांच बजे तक साथ रहने के बाद तबीयत खराब होने पर उन्हें आइसीयू में शिफ्ट किया गया। सोमवार दोपहर स्वजन मिलने पहुंचे तो प्रबंधन से जवाब नहीं मिला कि मरीज कहां है। उनके बेटे राजेश संघवी ने इसकी शिकायत की तो करीब दो घंटे तक तलाशने के बाद वे आइसीयू-2 में मिले, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। उनके बेटे राजेश संघवी ने वार्ड में जाकर उन्हें देखा और पुष्टि की।

युवाओं ने जाहिर की खुशी

एक मई से 18 वर्ष से सभी आयु के महिला-पुरुषों को कोरोना का टीका लगाने की खबर स्वागत योग्य है। कोरोना की इस विकट व भयावह परिस्थिति से निपटने के लिए सरकार की गाइड-लाइन का पालन करने के साथ टीका लगवाना जरूरी है।

– **प्रतीक जैन,**
युवा व्यवसायी, धराड

सभी वयस्कों को कोरोना का टीका लगाने की घोषणा अच्छी है। सरकार के कोरोना से बचाव के प्रयास सराहनीय है। आमजन को भी आगे आकर कोरोना से मुक्ति के प्रयास में भागीदार बनना चाहिए।

– **हीना-तुषार संघवी,** मोतीराज प्लायवुड, टीआइटी रोड, रतलाम

सोमवार को फिर बढ़ा कोरोना का आंकड़ा

217 नए मरीज मिले, चार की हुई मौत

रतलाम। रविवार को मामूली गिरावट के बाद कोरोना संक्रमितों के आंकड़े में फिर इजाफा हुआ है। सोमवार को 217 नए कोरोना संक्रमित सामने आए है, जबकि चार कोरोना संक्रमित जिन्दगी की जंग हार गए। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार को करीब एक हजार तीन सौ से अधिक कोरोना सैम्पल्स की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई। इनमें से 217 सैम्पल्स पॉजिटिव पाए गए, जबकि चार लोगों की कोरोना संक्रमण के चलते मौत हो गई। सोमवार को 131 लोगों ने कोरोना को मात दे दी। कुल 131 कोरोना संक्रमित ठीक होकर अपने घरों को लौट गए। 20-4-21

20-4-21

मास्क नहीं लगाने पर होगा जुर्माना

रतलाम। कलेक्टर एवं प्रशासक श्री गोपालचन्द्र डाड व निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार कोविड-19 (नोवल कोरोना वायरस) के संक्रमण को रोकने हेतु नगरीय क्षेत्र रतलाम में

20-4-2021

होम आईसोलेशन मरीज़ों को मेडिसिन कीट वितरण हेतु वार्ड वार दल गठित

कोविड-19 संक्रमण में होम आईसोलेशन के मरीजों को मेडिसिन कीट व स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति की होम डिलेवरी हेतु निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने वार्ड वार वार्ड पर्यवेक्षकों व वार्ड प्रभारियों को नियुक्त किया है। नगर निगम सीमा क्षेत्र में होम आईसोलेशन के मरीजो को मेडिसिन कीट वितरण हेतु निगम आयुक्त झारिया ने कार्यपालन यंत्री जी.के. जायसवाल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया तथा सहयोगी के रूप में उद्यान पर्यवेक्षक धर्मेन्द्र दोगाया को नियुक्त किया है। स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह प्रतिदिन ई-दक्ष केन्द्र रतलाम से होम आईसोलेशन के मरीजो की सूची प्राप्त कर सूची अनुसार जिला अस्पताल के स्टोर से आवश्यक मात्रा में मेडिसिन कीट संग्रहित करेंगे व नगर निगम के अग्निशमन कार्यालय में उपलब्ध करायेंगे। फायरमैन देवेन्द्र पुरोहित प्राप्त मेडिसिन कीट का आवक रिकार्ड दर्ज कर वार्ड वार नियुक्त वार्ड पर्यवेक्षकों को आवश्यकतानुसार होम आईसोलेशन के मरीजों को वितरण हेतु उपलब्ध कराकर जावक पंजी संधारित करेंगे। वार्ड पर्यवेक्षकों द्वारा संकलित की गई जानकारी प्रतिदिन वासुदेव बैरागी सहायक राजस्व निरीक्षक को उपलब्ध करायेंगे श्री बैरागी प्रतिदिन 10 बजे के पूर्व संकलित जानकारी गूगल शीट पर दर्ज करेंगे।

[illegible] 20-4-2021

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–पत्रिका–पृष्ठ 12 दिनांक 20.4...2021

अब रहवासियों ने लिया आंदोलन का निर्णय

पूरा नहीं हुआ सीवर लाइन कार्य

20-4-2021

रतलाम @ पत्रिका. नगर निगम ने दावा किया था कि 19 अप्रेल तक सीवरेज कार्य पूरा हो जाएगा। इसके लिए नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने अधिकारियों के साथ दौरे भी किए थे। लेकिन तमाम दावों के बाद भी शहर के कई क्षेत्रों में नगर निगम सीवरेज के कार्य को पूरा करने में सफल नहीं हो पाया है। इसके बाद अब रहवासी आंदोलन करने की चेतावनी दे रहे हैं।

शहर में चल रहे विकास कार्य बंद चालू बिजली की तरह चल रहे हैं। इन पर ना कोई ध्यान दे रहा है ना ही जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी सही से निभा पा रहे हैं। शहर के चांदनीचौक क्षेत्र की बात हो या ऊंकाला रोड की, सभी जगह परेशानी कायम है। इन क्षेत्र में रहवासियों को प्रतिदिन खराब एवं धूल भरी सड़क से गुजरने को मजबूत होना पड़ रहा है। बाजार में तो निर्माण कार्य के चलते सड़क मार्ग ही बंद कर दिया गया था, जिसे पुलिस ने अपनी उपस्थिति में खुलवाया है। इसके अलावा ऊंकाला रोड पर जो निर्माण कार्य चल रहा है उसको समय पर पूरा करने की मांग कई बार हो चुकी है। यहां पर तो आंदोलन तक समय पर काम को पूरा करने की मांग को लेकर हो चुका है। इसके बाद भी जिम्मेदार अब तक जागे नहीं हैं।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–दै. भास्कर–पृष्ठ ..14.. दिनांक ..20.4.. 2021

महू रोड फोरलेन पर नाले में उतरा ऑटो

रतलाम | लॉकडाउन में महू रोड फोरलेन पर पटेल पेट्रोल पंप के पास नाले में सोमवार दोपहर 12 बजे एक ऑटो उतर गया। देखने वालों की भीड़ उमड़ गई, जो भी वहां से गुजरा वो ऑटो को नाले में देख रुक गया। जबकि लॉकडाउन चल रहा है। आधे घंटे की मशक्कत के बाद रस्सी से खींच कर इसे निकाला।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार पत्रिका ---पृष्ठ 3......दिनांक 20-4.....2021

किट वितरण के लिए प्रभारी अधिकारी होंगे नियुक्त

होम आइसोलेशन मरीजों तक पहुंचे मेडिसिन किट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com 20-4-2021

रतलाम. नगरीय क्षेत्रों में होम आइसोलेशन में स्थित कोविड मरीजों को उनके घर पर ही कोविड-19 के स्व-प्रबंधन के लिए आवश्यक मेडिसिन किट और स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों को पहुंचाने के लिए प्रत्येक जोन, वार्ड के अनुसार प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए जाएं, जिससे कि किसी मरीज को परेशानी का सामना न करना पड़े। यह निर्देश सोमवार को प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नीतेश व्यास ने समस्त आयुक्त नगर पालिका निगम और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को उक्त निर्देश जारी किए हैं।

प्रमुख सचिव ने बताया कि प्रत्येक जिले में होम आइसोलेशन में स्थिति मरीजों के मॉनिटरिंग के लिए कंट्रोल रूम या कंट्रोल कमांड सेंटर संचालित हैं। इस व्यवस्था के संचालन के लिए यथा संभव इसे ही केंद्र बिंदु बनाया जाए। छोटे निकायों में वार्ड/ जोन के अनुसार प्रभारी अधिकारी या टीम की आवश्यकता न हो तो स्थानीय परिस्थिति अनुसार कार्यवाही की जाए। मेडिसिन किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रतियां कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी, किन्तु कई जिलों में ऐसी स्थिति हो सकती है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा किट के स्थान पर मेडिसिन उपलब्ध कराई जाए, किट में परिवर्तित करना होगा।

प्रतिदिन होम आइसोलेशन मरीजों की सूची जिले के महाम या कलेक्टर द्वारा नियुक्त अधिकारी से सुबह 7 बजे प्राप्त की जाए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रतिदिन होम आइसोलेशन में नए मरीजों को उसी दिन उपरोक्तानुसार सामग्री उपलब्ध हो।

प्रत्येक निकाय में इस सम्पूर्ण व्यवस्था के प्रभारी एवं वार्ड एवं जोन वाईज टीम के प्रभारियों के फोन नम्बर का प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अगर होम आइसोलेशन में स्थित किसी मरीज को मेडिकल किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति प्राप्त नहीं होती है, तो वे तुरंत सम्पर्क कर सकें। जिला मुख्यालय में होम आइसोलेशन में स्थित मरीजों के मॉनिटरिंग के लिए निर्धारित कंट्रोल रूम, कंट्रोल एवं कमांड सेंटर का दूरभाष क्रमांक का पर्याप्त प्रचार-प्रसार हो, जिस पर भी कोविड मरीज मेडिकल किट प्राप्ति के लिए सूचना दे सकते हैं। कंट्रोल रूम/ कंट्रोल कमांड सेन्टर में पर्याप्त संख्या में मेडिसिन एवं मेडिसिन किट की उपलब्धता सुनिश्चित रखी जाए।

आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें

नगरीय निकाय इसके लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। ऐसी किट का निर्माण कलेक्टर के माध्यम से नियुक्त स्वास्थ्य विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में किया जाए। स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति अगर स्वास्थ्य विभाग द्वारा मुद्रित कर उपलब्ध नहीं कराई जाती है तो निकाय आवश्यकतानुसार मुद्रण सुनिश्चित किया जाए। वर्तमान में होम आइसोलेशन में स्थित ऐसे कोविड मरीज जिनको अभी तक मेडिसिन किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति उपलब्ध नहीं हुई है, उन्हें तत्काल प्रभाव से यह उपलब्ध कराई जाए। प्रतिदिन होम आइसोलेशन में रहने वाले नए कोविड मरीजों को मेडिकल किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति उपलब्ध हो यह सुनिश्चित किया जाए।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार– दै. भास्कर –पृष्ठ 16 दिनांक 20-4-2021

भास्कर गाइड 20-4-21

तापमान 100 डिग्री से ज्यादा, सांस फूले, ऑक्सीजन सेचुरेशन 92% से कम हो, तब आ सकती है भर्ती की नौबत

रतलाम | अस्पतालों में फिलहाल बेड नहीं मिल रहे। 11 फीसदी मरीज डर के कारण भी अस्पताल पहुंच रहे हैं। भास्कर ने विशेषज्ञों से जाना कि बीमारी के शुरुआती लक्षण आने पर मरीज को क्या करना चाहिए और अस्पताल का रुख कब करना चाहिए।

01. शुरुआती लक्षण दिखें तो क्या करें?

जब भी बुखार, जुकाम या कोई लक्षण नजर आए तो सबसे पहले खुद को आइसोलेट करें। यदि खांसी या बुखार आए तो तत्काल कोविड-19 की जांच करवाएं। डॉक्टर से परामर्श लें।

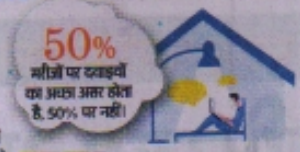

02. होम आइसोलेशन में क्या करें?

होम आइसोलेशन में दवा समय पर लें। ब्रीदिंग एक्सरसाइज करते रहें। तापमान और ऑक्सीजन सेचुरेशन पर नजर रखें। दवा के बाद भी तापमान कम न हो, लक्षण कम न हो तो मानकर चलें कि वायरस शरीर में एक्टिव है। 50 प्रतिशत मरीजों पर दवाइयों का अच्छा असर होता है और 50 प्रतिशत पर नहीं। जब तक दवा लेते हैं, तब तक ठीक रहते हैं, फिर बुखार आ जाता है।

03. किस स्थिति में अस्पताल जाना जरूरी?

मॉडरेट से सीवियर केस में मरीज को अस्पताल जाना चाहिए। 94% से कम ऑक्सीजन सेचुरेशन पर मॉडरेट और 90% से कम सेचुरेशन पर सीवियर डिसीज मानी जाती है। यदि तापमान 100 डिग्री से ज्यादा हो, सांस फूल रही हो, ऑक्सीजन सेचुरेशन 92% से कम हो, तब भर्ती करने की नौबत आ सकती है।

04. फेफड़ों में संक्रमण का कैसे पता करें?

शरीर में ऑक्सीजन लेवल और पल्स रेट लें। इसके बाद छह मिनट वॉक करें। वॉक के तुरंत बाद दोबारा ऑक्सीजन और पल्स रेट जांचें। यदि इसमें पांच अंकों की गिरावट आ जाए तो समझिए कि फेफड़े में निमोनिया हो सकता है। डॉक्टर से परामर्श लें।

05. सीटी स्कैन कब करवाना चाहिए?

बीमारी के लक्षण होने पर **5 से 6 दिन बाद** सीटी स्कैन करवाया जा सकता है।

हालांकि इसके लिए डॉक्टर से परामर्श लें। कई लोग बेवजह घबरा जाते हैं।

▪ जैसा एक्सपर्ट पैनल ने भास्कर को बताया।

रतलाम में पहली बार 217 पॉजिटिव, 4 ने तोड़ा दम

रतलाम | जिले में संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। सोमवार को शहर में पहली बार 217 लोग पॉजिटिव मिले। चौंकाने वाली बात तो ये है कि संक्रमितों में 70% लोगों की उम्र 50 साल से कम है। 4 लोगों ने दम तोड़ दिया है।

अप्रैल महीने में दूसरी बार ऐसा हुआ है, जब कोरोना संक्रमित मरीज की संख्या 200 के पार हुई है। इससे पहले 17 अप्रैल को संख्या 206 पर रही थी। पॉजिटिव में 70% लोगों की उम्र 50 साल से कम होना चिंता की बात है, इनमें भी युवाओं की संख्या ज्यादा है। 4 लोगों ने कोरोना से जान गंवा दी। कोरोना से मौत का आंकड़ा 144 पर पहुंच गया है।

131 मरीज ठीक होकर अपने घर पहुंचे

रतलाम | जिले में कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने के साथ ही ठीक होने का सिलसिला भी लगातार जारी है। सोमवार को 131 मरीज ठीक हो गए है। जोकि, बड़ी संख्या है। रविवार को 95 लोग ठीक हुए थे। जिले में 7 दिन में ही 772 लोग कोरोना से ठीक होकर अपने घर जा चुके है। हालांकि, चिंता की बात तो ये है कि जिले में एक्टिव केस की संख्या 1256 हो चुकी है।

होम आइसोलेशन मरीजों को घर पर ही मिलेगी मेडिकल किट

20-4-2021

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना संक्रमित होम आइसोलेट मरीजों को दवाओं सहित अन्य सामग्री की मेडिकल किट अब नगर निगम के कर्मचारी उनके घर तक पहुंचाएंगे। समय पर दवा मिलने व मरीज के बाहर नहीं निकलने से संक्रमण पर नियंत्रण में सहायता मिलेगी। इससे मरीज की स्थिति गंभीर होने की दर कम होगी और मेडिकल कालेज पर दबाव भी कम होगा।

सुविधा

- नगर निगम ने वार्ड स्तर पर प्रभारी नियुक्त किए
- स्वास्थ्य विभाग से दवा व अन्य सामग्री लेकर वितरण करेंगे

प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नितेश व्यास द्वारा जारी आदेश के बाद निगम स्तर पर यह व्यवस्था की गई है। निगम स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह प्रतिदिन पाजिटिव मरीजों की सूची लेने के बाद जिला अस्पताल से मेडिकल किट प्राप्त कर नगर निगम के अग्निशमन कार्यालय पर पहुंचाएंगे। यहां फायरमेन देवेंद्र पुरोहित रजिस्टर में आवक दर्ज वार्ड पर्यवेक्षकों को किट दी जाएगी। प्रतिदिन किट वितरण की जानकारी गूगल शीट पर भी दर्ज की जाएगी। वार्डों में दरागों को वितरण के लिए जिम्मेदारी दी गई है। इसमें प्रत्येक वार्ड के लिए प्रभारी अधिकारी भी बनाए गए हैं।